हिन्दी प्रादेशिक समाचार

आकाशवाणी चंडीगढ़

(तिथि 10 दिसंबर 2024, समय 1305 (5 मिनट)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि केंद्र और हरियाणा सरकार लगातार किसानों के कल्याण के लिए काम कर रही है। कल पानीपत में बीमा सखी योजना के शुभारंभ के बाद अपने संबोधन में श्री मोदी ने कहा कि हरियाणा में पिछले 10 सालों में किसानों को सवा लाख करोड़ रुपये न्यूनतम समर्थन मूल्य के लिए दिए गए हैं। धान, बाजरा, मूंग के किसानों को 14,000 करोड़ रुपये दिए गए हैं। सूखा प्रभावित किसानों को 800 करोड़ रुपये दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि करनाल में बनने वाले महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय का फल-सब्जी के क्षेत्र में हरियाणा को अग्रणी बनाने के लिए अहम योगदान होगा।

****

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि चुनावों के दौरान हरियाणा के लोगों ने जो एक है-तो सेफ हैं के नारे को अपनाया, उसका प्रभाव पूरे देश में नजर आया है ।कल पानीपत में अपने संबोधन में श्री मोदी ने हरियाणा में लगातार तीसरी बार भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाने के लिए प्रदेशवासियों का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि हरियाणा में नायब सिंह सैनी की सरकार बने कुछ ही हफ्ते हुए हैं, लेकिन उनकी प्रशंसा देशभर में हो रही है। राज्य सरकार बनते ही प्रदेश में जो बिना पर्ची-बिना खर्ची के युवाओं को सरकारी नौकरी दी गई है, उसको पूरे देश ने देखा है। उन्होंने हरियाणावासियों को भरोसा दिलाया कि तीसरी बार बनी डबल इंजन की सरकार राज्य के विकास को तीन गुणा गति से आगे बढ़ाएगी।

****

केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारामन ने कहा है कि इस वर्ष के बजट में देश में महिलाओं से संबंधित योजनाओं के लिए तीन लाख, तीस हजार करोड रुपये का

प्रावधान किया गया है।पानीपत में बीमा सखी योजना के शुभारंभ अवसर पर उन्होंने कहा कि इस वर्ष 25 हजार बीमा सखियों की नियुक्ति की जाएगी।

इन तीन सालों में दो लाख बीमा सखी का नियुक्त करने के लिए हम कोशिश करेंगे 2 लाख पूरे देशभर में से महिला ही नियुक्त होंगे। उम्र इसमें कोई हमें रोक नहीं सकते हैं 18 साल उम्र से 70 साल तक की महिला इसमें भर्ती हो सकते हैं। स्टाइफन मिलेगा, कमीशन भी मिलेगा अब बीमा सखी भी होंगे मगर उसके बाद अगर आप एक छोटा सा परीक्षा लिखकर उसमें पास हो जाते हैं, कुछ नंबर अच्छा मिलता है। आप आगे जाकर के कमेंट डवलपमेंट एजेंट भी बना भी सकते हैं, परमानेंटली एलआईसी में।

वित्तमंत्री ने बताया कि प्रत्येक महिला बीमा एजेंट स्वयंसेवी को पहले वर्ष में प्रतिमाह सात हजार रुपये, दूसरे वर्ष में प्रतिमाह 6 हजार रुपये और तीसरे वर्ष में प्रतिमाह पांच हजार रुपये दिये जाएंगे।श्रीमती सीतारामन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण के उद्देश्य से कई योजनाएं लागू कर रही है।

****

जन नायक जनता पार्टी ने कल जींद में अपने सातवें स्थापना दिवस पर आयोजित प्रदेश स्तरीय बैठक में पार्टी के सभी संगठनों को भंग कर दिया। बैठक में पूर्व उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला, व अजय सिंह चौटाला सहित सभी नेता मौजूद रहें ।पत्रकार वार्ता के दौरान श्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि जनवरी माह में दोबारा से संगठन को तैयार किया जाएगा। फरवरी में प्रदेश भर में सदस्यता अभियान चलाया जाएगा।चुनाव के दौरान पार्टी के जो लोग बहक गए थे । उन्हें वापस पार्टी में लाया जाएगा। एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि बी जे पी के साथ सरकार में जाने के कारण ही पंचायत चुनाव में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण का लाभ मिला। इसके कारण ही निजी क्षेत्र में युवाओं को 75 प्रतिशत आरक्षण का लाभ मिला। गरीबी रेखा से नीचे की सीमा एक लाख 20 हजार रुपए

से बढ़ाकर एक लाख 80 हजार रुपए की गई। यदि वें सरकार में नही होते तो यह संभव नहीं था।

****

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की कार्यवाहक अध्यक्ष विजया भारती सयानी प्रत्येक व्यक्ति से देश की सभ्यता में निहित सर्वे भवन्तु सुखिनः की भावना के आधारपर मानवाधिकारों की संस्कृति को बढ़ावा देने और इसके संरक्षण के लिए खड़े होने का आह्वान किया है। कल विश्व मानवाधिकार दिवस की पूर्व संध्या पर अपने संदेश में उन्होंने कहा कि आयोग हरेक व्यक्ति के अधिकारों और उसकी मान-मर्यादा की रक्षा के लिए उनके सशक्तीकरण और प्रोत्साहन के प्रयास जारी रखने के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग भारत के अंदर और संपूर्ण विश्व में मानवाधिकारों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है और इस दिशा में यह विशेष रूप से पिछड़े और विकासशील देशों में अन्य राष्ट्रीय मानवाधिकार संस्थाओं के साथ मिलकर काम कर रहा है। श्रीमती विजया भारती सयानी ने कहा कि मानवाधिकार दिवस का इस वर्ष का विषय हमारे अधिकार, हमारा भविष्य, अभी। यह उस विश्वास को और मजबूत करता है कि मानवाधिकार महज एक आकांक्षा नहीं है, बल्कि बेहतर भविष्य के निर्माण के लिए व्यक्तियों और समुदायों को सशक्त बनाने का व्यावहारिक साधन है।

****